27 अलंकार

पाठ-योजना

पाठ का उद्देश्य

- अलंकार और उसके भेदों की जानकारी।
- काव्य-सौंदर्य की अनुभूति।
- अलंकारयुक्त पंक्तियों की पहचान सिखाना।

सहायक सामग्री

- स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, पाठ्यपुस्तक, पाठ्यपुस्तक में दिया QR Code, शैक्षिक सामग्री।

पूर्व-ज्ञान

- अलंकार का क्या अर्थ है? ये किस काम आते हैं?
- अलंकार किस-किस चीज़/धातु के बने होते हैं?
- क्या शब्द या अर्थ द्वारा भी अलंकार बनाए जा सकते हैं? कैसे?
- सुंदरता के लिए प्रायः किन-किन चीज़ों के उदाहरण दिए जाते हैं?

प्रमुख बिंदु

- प्रश्न पूछकर पाठ की रूपरेखा तैयार करना।
- QR Code स्कैन करके एनिमेशन दिखाना।
- बताना–
  - काव्य का सौंदर्य बढ़ाकर चमत्कार उत्पन्न करने वाले तत्वों को व्याकरण में अलंकार कहते हैं।
  - अलंकार के दो भेद हैं–शब्दालंकार और अर्थालंकार।
  - शब्दों में चमत्कार उत्पन्न करके काव्य-सौंदर्य में वृद्धि–शब्दालंकार।
  - अर्थ में चमत्कार उत्पन्न करके काव्य-सौंदर्य में वृद्धि–अर्थालंकार।
  - शब्दालंकार हैं–अनुप्रास, यमक, श्लेष।
  - अर्थालंकार हैं–उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, मानवीकरण।
- विभिन्न उदाहरणों द्वारा अलंकार के भेदों का स्पष्टीकरण।
- पाठ्यपुस्तक की कविताओं में आलंकारिक प्रयोग ढूँढ़ने को प्रोत्साहित करना।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।
- भक्तिकालीन या रीतिकालीन किसी कवि की रचनाओं में आए आलंकारिक प्रयोग को दर्शाते हुए सचित्र परियोजना बनाने के निर्देश।